7.6.18 | पत्रावली न्याय आपके द्वार-2018 में अटल सेवा केन्द्र राणी बोरावड़ पेश हुई। बार-बार आवाज दिलवाई गई परन्तु वास्ते पैरवी कोई उपस्थित नहीं है। मूल वाद खारिज हो चुका है इसलिये T.I. ना० पत्र का अब कोई औचित्य नहीं रह गया है अतः मूल वाद के परिपेक्ष में T.I. ना० पत्र भी खारिज किया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर दर्ज नम्बर से नाम हो। आदेश मजमे आम में सुनाया गया।

उपखण्ड अधिकारी
मकराना